एक नजर में

पिछले 24 घंटे में औसतन 13.6 मिमी वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान औसतन 13.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक, भू-अभिलेख ने बताया कि 24 अगस्त प्रात: 8 बजे से 25 अगस्त प्रात: 8 बजे तक जिले के विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर वर्षा रिकॉर्ड की गई। उन्होंने बताया कि बैतूल में 9.2 मिमी, घोड़ाडोंगरी में 36.1 मिमी, चिचोली में 26.0 मिमी, शाहपुर में 24.0 मिमी, मुलताई में 12.4 मिमी, प्रभात पट्टन में 6.0 मिमी, आमला में 18.0 मिमी, भैंसदेही में 0.0 मिमी, आठनेर में 1.2 मिमी तथा भीमपुर में 4.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में वर्षा ऋतु 2026-27 में अब तक औसतन 571.5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं गत वर्ष 2025-26 में अब तक 719.7 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी। उल्लेखनीय है कि जिले की सामान्य औसत वर्षा 1083.9 मिमी है तथा गत वर्ष की सामान्य औसत वर्षा 1097.4 मिमी रही थी।

सतपुड़ा डैम का बढ़ा जलस्तर, 7 गेट खोले

सारनी। लगातार हो रही बारिश के कारण सतपुड़ा जलाशय का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार 25 अगस्त को सुबह 11.45 बजे सतपुड़ा बांध के 7 गेट 3 फीट तक खोल दिए गए। गेट खुलने के बाद जलाशय से लगभग 18,544.75 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड की रफ्तार से छोड़ा जा रहा है। लगातार बारिश और बांध के गेट खुलने के कारण सतपुड़ा नदी तथा आसपास के जलस्रोतों में जलस्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित होने से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन और स्थानीय लोगों को नदी- नालों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।25 अगस्त की सुबह 8 बजे तक सारनी एवं आसपास के क्षेत्र में 610 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि बारिश का आंकड़ा क्षेत्र के निर्धारित लक्ष्य से अभी भी पीछे है, लेकिन लगातार जारी वर्षा ने जलाशय और खेतों दोनों की तस्वीर बदल दी है। किसानों के लिए यह बारिश फिलहाल वरदान और संकट का दोहरा रूप लेकर आई है एक ओर पानी की कमी दूर हो रही है तो दूसरी ओर धूप की कमी फसलों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है।

मठारदेव मंदिर तक निकली शोभायात्रा

सारनी। सावन के चौथे और अंतिम सोमवार को सारनी क्षेत्र पूरी तरह शिवमय नजर आया। नगर पालिका परिषद सारनी के स्वागत द्वार बगडोना से लेकर क्षेत्र के आराध्य श्री श्री 1008 बाबा मठारदेव की तलहटी स्थित मंदिर तक निकली विशाल कांवड़ यात्रा में आस्था,भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिला,पुरुष और बच्चे कांवड़ यात्रा में शामिल हुए और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। जय स्तंभ चौक पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता तिरुपति एरोलू,आमला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे मनोज मालवे सहित कांग्रेस के अनेक नेताओं ने पहुंचकर कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया।इस दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। किसान खुदरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष दीपक सोनेकर ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे महावीर स्वामी वार्ड क्रमांक 36 बगडोना स्थित स्वागत द्वार से विशाल कांवड़ यात्रा एवं बाबा मठारदेव की शाही सवारी का शुभारंभ किया गया।

नगरपालिका में पशुओं और डॉग का रजिस्ट्रेशन करना हुआ अनिवार्य

नवभारत न्यूज

बैतूल, 25 अगस्त. सरकार ने पालतू पशुओं का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया है। जिसके बाद पशु पालकों को नगरपालिका में पशुओं का रजिस्टेशन कराना जरूरी हो गया है।

रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर लगेगा जुर्माना

नगरपालिका में सिर्फ 6 का रजिस्ट्रेशन, पशुओं का नहीं

रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया तो रजिस्ट्रेशन शुल्क की दस गुना पेनाल्टी भरना पड़ सकती है। दरअसल सरकार ने रजिस्ट्रीकरण तथा आवारा पशुओं का नियंत्रण नियम 2023 लागू कर दिया है। वहीं आवारा पशुओं व श्वान के पकड़े जाने पर भी पेनाल्टी लगाए जाने का प्रावधान किया गया है। बताया गया कि उच्च न्यायालय ने याचिकाओं की सुनवाई करते हुए आवारा पशुओं के नियंत्रण के संबंध में नगरीय निकायों द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर असंतोष व्यक्त किया था और स्थायी समाधान के निर्देश दिए थे। जिसके बाद सरकार ने रजिस्ट्रीकरण तथा आवारा पशुओं का नियंत्रण नियम 2023 लागू प्रदेश में लागू कर दिया है। लेकिन अब तक सिर्फ 6 लोगों ने ही अपने डॉग का रजिस्ट्रेशन कराया है। जबकि शहर में डॉग पालने वालों की संख्या कई गुना अधिक हैं। प्रचार-प्रसार के अभाव में पशुपालक रजिस्ट्रेशन नहीं करा रहे हैं। वहीं पशुओं व श्वान के पकड़े जाने पर भी पेनाल्टी लगाए जाने का प्रावधान किया गया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जबकि मवेशी लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं।

एक वर्ष की अवधि के लिए होगा रजिस्ट्रेशन : पशुओं का रजिस्ट्रेशन एक वर्ष की अवधि के लिए ही मान्य होगा। रजिस्ट्रीकरण अवधि की समाप्ति के बाद पशु पालक को तीस दिनों की अवधि के भीतर नवीनीकरण के लिए प्रारूप क में आवेदन करना होगा। रजिस्ट्रीकरण के पश्चात पशु चिकित्सक की देखरेख में पशु माइक्रोचिप अथवा टैग या किसी अन्य अनुज्ञेय साधनों द्वारा ब्रांडिंग कोड लगवाएगा। जिसमें पशु पालक की विस्तृत जानकारी अंतर्विष्ट हो। ब्रांडिंग कोड को नगरपालिका के रजिस्ट्रीकरण अभिलेख में भी दर्ज किया जाएगा। ब्रांडिंग कोड की लागत पशु पालक से वसूली जाएगी।

अब तक सिर्फ 6 लोगों ने कराया डॉग् का रजिस्टेशन : अब तक सिर्फ 6 लोगों ने ही अपने डॉग का रजिस्ट्रेशन कराया है। जबकि डॉग पालने वालों की संख्या शहर में कई गुना अधिक हैं।

> पशु पालकों को नगरपालिका में अपने पशुओं का रजिस्टेशन करवाना अनिवार्य है। यदि पंजीयन नहीं कराते है तो जुर्माना अधिरोपित किया जा सकता है। शहरी क्षेत्र में सिर्फ 6 डॉग का रजिस्ट्रेशन किया गया है।
> **- ब्रजगोपाल परते, राजस्व निरीक्षक, नगरपालिका बैतूल**

रजिस्ट्रेशन नहीं तो देना होगी पेनाल्टी

पशुओं के रजिस्ट्रेशन एवं नवीनीकरण को लेकर जारी गजट नोटिफिकेशन में नगरपालिका सीमा में रखे गए या लाए गए प्रत्येक पशु का स्वामी इन नियमों के अधिसूचित होने के तीन माह के भीतर अथवा नगरपालिका सीमाओं में लाए जाने पर 7 दिन के भीतर पशु का रजिस्ट्रेशन नगरपालिका में कराना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर पशु पालक को रजिस्ट्रेशन शुल्क का दस गुना जुर्माना भरना पड़ेगा। रजिस्ट्रीकरण अवधि की समाप्ति के बाद पशु पालक को तीस दिनों की अवधि के भीतर नवीनीकरण के लिए प्रारूप क में आवेदन करना होगा। यदि निर्धारित अवधि में नवीनीकरण नहीं कराया जाता है तो प्रत्येक दिन लिए रजिस्ट्रीकरण शुल्क के 10 प्रतिशत जुर्माना अधिरोपित होगा।

सिर्फ टैग लगवाते है, नहीं कराते रजिस्ट्रेशन

पशुपालकों द्वारा पशु चिकित्सालय में सिर्फ टैग लगवा लिया जाता है, लेकिन नगरपालिका में पशुओं का रजिस्टेशन नहीं कराया जाता है। यही वजह है कि नगरपालिका में एक भी पशु का रजिस्ट्रेशन अब तक नहीं हुआ है। सिर्फ 6 डॉग का ही रजिस्टेशन हो पाया है। नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि पशु पालकों को रजिस्टेशन के लिए प्रेरित किया जायेगा, ताकि पशु पालक नपा में भी अपने पशुओं का रजिस्ट्रेशन करवाये। बता दे कि शहर में सैकड़ों गाय-बैल, भैंस सहित अन्य पशु को पशु पालक द्वारा पाला जाता है, लेकिन नगरपालिका में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया जाता है, जिसकी वजह से शहर में कितने पशु है, इसका आंकड़ा सामने नहीं आ पा रहा है।

खराब सड़क को लेकर 70 किमी दूर से कलेक्ट्रेट पहुंची छात्राएं

बैतूल। बैतूल से करीब 70 किलोमीटर दूर चौपना पुनर्वास क्षेत्र की सैकड़ों छात्राएं मंगलवार को बैतूल पहुंचीं। उन्होंने वर्षों से खराब पड़ी सड़क को लेकर कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया।

कलेक्ट्रेट चैंबर के सामने फर्श पर बैठी

सड़क की मरम्मत कराने की मांग

सभी छात्राएं कलेक्टर चैंबर के सामने फर्श पर बैठ गईं और सड़क मरम्मत की गुहार लगाई। कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे ने जल्द रास्ता सुधारने का आश्वासन दिया। कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया गया कि लखीपुर से झोली-1 तक लगभग 1.8 किलोमीटर लंबी सड़क वर्षों से पक्की नहीं बन पाई है। यह सड़क चिखलपाटी, लखीपुर, झोली-1 सहित करीब 14 गांवों के हजारों लोगों के लिए चौपना आने-जाने का मुख्य संपर्क मार्ग है। छात्रा किरण पोतदार ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनका स्कूल चौपना में है। झोली नंबर-1 से लखीपुर के बीच सड़क खराब होने के कारण उन्हें स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी होती है। कीचड़ से उनके कपड़े खराब हो जाते हैं और वाहन से गिरने का खतरा बना रहता है। दूसरे रास्ते से जाने पर उन्हें नदी पार करनी पड़ती है। इस रास्ते से जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ता है। खराब सड़क के कारण कई बार छात्राएं स्कूल पहुंचने में देर हो जाती हैं। छात्राओं को गांव के ग्रामीणों का भी साथ मिला। ग्रामीणों ने कलेक्टर से सड़क का सर्वे कराकर पक्की सड़क की मांग की। उन्होंने अनुरोध किया कि जब तक पक्की सड़क नहीं बन जाता, तब तक तत्काल मरम्मत कराया जाए।

पाथाखेड़ा में कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च

सारनी। स्मार्ट मीटर को लेकर कोयलांचल क्षेत्र में नाराजगी अब सड़कों पर उतरती दिखाई दे रही है। मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बटेश्वर भारती के नेतृत्व में पाथाखेड़ा के विभिन्न वार्डों के रहवासियों ने स्मार्ट मीटर के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं और उन्होंने बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत वार्ड क्रमांक 21 से पैदल मार्च के रूप में हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शास्त्री नगर, शिवाजी नगर, लाल झंडा चौक होते हुए पुराने बाजार

पहुंचे। इसके बाद प्रदर्शनकारी बिजली विभाग के ट्रांसमीटर कार्यालय पहुंचे, जहां स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को गरीब और मजदूर परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने से पहले उनके घरों में बिजली के बिल करीब 105 से 150 रुपए तक आया करते थे,लेकिन अब कई परिवारों के बिल 1500 से 4 हजार रुपए तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है।

युवा कनेक्ट स्पोर्ट्स एडिशन का आयोजन कल

बैतूल। मेरा युवा भारत, बैतूल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विकसित भारत युवा कनेक्ट स्पोर्ट्स एडिशन कार्यक्रम का आयोजन कल गुरुवार शासकीय महाविद्यालय, मुलताई में किया जाएगा। इस संबंध में जिला युवा अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली ने बताया कि इस वर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इसे युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण की थीम पर भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में देशभर में विकसित भारत युवा कनेक्ट स्पोर्ट्स एडिशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश के युवाओं, खिलाडि ?ों और देश के भविष्य को एक साझा मंच पर लाना है। बैतूल जिले में मुख्य कार्यक्रम 27 अगस्त को शासकीय महाविद्यालय, मुलताई में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से युवाओं को संबोधित करेंगे। संबोधन के पश्चात कार्यक्रम का फोकस स्थानीय युवा संवाद पर रहेगा। कार्यक्रम में माय भारत स्वयंसेवकों एवं स्थानीय खिलाडियों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा।

चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, केबल बरामद

सारनी। डब्ल्यूसीएल की तवा-02 खदान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का सारनी पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 60 फीट कॉपर केबल बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत 80 हजार रुपए बताई गई है। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार 20 से 22 अगस्त की दरमियानी रात तवा-02 खदान परिसर में 4-5 नकाबपोश बदमाश बाउंड्री कूदकर घुसे थे। आरोपियों के हाथों में कुल्हाड़ी और फरसा जैसे हथियार थे। बदमाशों ने मेन गेट के पास स्थित

हॉल में लगा कॉपर केबल काटकर करीब 35-40 फीट केबल तथा हॉल में रखी विद्युत सामग्री चोरी कर ली थी। घटना की रिपोर्ट डब्ल्यूसीएल पाथाखेड़ा के सहायक सुरक्षा उपनिरीक्षक गिरिधर डांगे ने 24 अगस्त को सारनी थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान धारा 112(2) बीएनएस भी जोड़ी गई। पुलिस टीम ने लगातार पतारसी और जांच के बाद ग्राम छतरपुर निवासी दीपक उर्फ दीपू आहके (27), हरिशंकर उर्फ टक्कल सरयाम (30) और सुमरलाल परते (33) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से 60 फीट कॉपर केबल बरामद की गई। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सारनी निरीक्षक जयपाल इनवाती, चौकी प्रभारी पाथाखेड़ा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वेकोलि की आवासीय क्वाटरों पर रसूखदारों का कब्जा

पाथाखेड़ा। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोली) पाथाखेड़ा क्षेत्र में आवासीय क्वार्टरों के आवंटन और उनके उपयोग को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि प्रभावशाली लोगों द्वारा कंपनी के टाइप-3 व अन्य श्रेणी के क्वार्टरों पर पात्रता समाप्त होने के बावजूद कब्जा बनाए रखा गया है, जबकि जरूरतमंद श्रमिक परिवारों को आवास खाली करने के नोटिस दिए जा रहे हैं।पाथाखेड़ा स्टेडियम के पीछे स्थित श्री-टाइप क्वार्टर को लेकर भी शिकायत सामने आई है। आरोप है कि नरेन्द्र कुमार मिश्रा के नाम आवंटित क्वार्टर में अलग से निर्माण कर छत डाल दी गई है। मामले की जानकारी वेकोली के क्षेत्रीय कार्यालय को दिए जाने की बात कही गई है। वहीं, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, ठेकेदारों अथवा उनके रिश्तेदारों को कंपनी आवास आवंटित किए जाने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। मांग की गई है कि सभी आवासों का भौतिक सत्यापन कर आवंटन, पात्रता और कब्जे की स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट की जाए। इस संबंध में ऋतुराज मुखेड़ले, सुरक्षा अधिकारी, वेकोली पाथाखेड़ा का कहना है कि जल्द ही नोटिस भेजकर श्री-टाइप क्वार्टर और लैंटर वाले मकान को कंपनी में हैंडओवर लिया जाएगा।

समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची दुनावा

बैतूल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 25 अगस्त को मुलताई विकासखंड के ग्राम मासोद से निकली। इस दौरान यात्रा नगर प्रमुख ग्रामों का भ्रमण करते हुए में प्रभात पट्टन होते हुए दुनावा पहुंची, जहां यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागित किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक बंधु, संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के

विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा 26 अगस्त को दुनावा से मुलताई नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम करेगी।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुलताई के बंगाली कॉलोनी निवासी संतोष ने अनावेदक द्वारा

फर्जी तरीके से हस्ताक्षर लेकर इकरारनामा संपादित कर प्रधानमंत्री आवास की राशि निकाले जाने की शिकायत की। आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुन कलेक्टर ने मुलताई सीएमओ को जांच कर आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई में दोबारा न आना पड़े। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम छिपन्या पिपरिया निवासी टीकाराम यादव ने शासकीय भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर ने आमला एसडीएम को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम गेहूंबारसा निवासी रामसेवक लहरपूरे ने ग्राम में निजी कृषि भूमि पर लगे ट्रांसफार्मर का स्थल परिवर्तन कराए जाने के संबंध में आवेदन दिया।

हड़ताल भोपाल में प्रदर्शन के बाद अब बैतूल में उप संचालक कृषि कार्यालय में दिया धरना

ई-अटेंडेंस और वेतन विसंगति के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

बैतूल। ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता और वेतन संबंधी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कृषि विस्तार अधिकारियों ने अब आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। 21 अगस्त को भोपाल के अंबेडकर पार्क में प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन और 24 अगस्त को सामूहिक अवकाश के बाद मंगलवार 25 अगस्त से प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। बैतूल जिले के सभी विकासखंडों के अधिकारी जिला मुख्यालय स्थित उप संचालक कृषि कार्यालय के प्रांगण में धरने पर बैठ गए हैं। इससे कृषि विभाग के मैदानी कामकाज पर असर पड़ने की स्थिति बन गई है। मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी

संघ के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के तहत अधिकारियों ने पहले ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार, ज्ञापन और कलमबंद कार्य बहिष्कार किया। इसके बाद 21 अगस्त को भोपाल के अंबेडकर पार्क में प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारियों ने एकजुट होकर बड़ा धरना-प्रदर्शन किया। शासन स्तर पर मांगों के निराकरण को लेकर ठोस पहल नहीं होने से आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। 24 अगस्त को प्रदेशभर के अधिकारी सामूहिक अवकाश पर रहे और अब 25 अगस्त से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ई-एचआरएमएस प्रणाली में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता मैदानी कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है। कृषि विस्तार अधिकारियों की जिम्मेदारी कई गांवों और कृषि केंद्रों तक फैली रहती है। खाद-बीज वितरण, फसल सर्वे, कृषि योजनाओं का क्रियान्वयन और किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन जैसे कार्यों के लिए उन्हें लगातार फील्ड में रहना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क और अन्य तकनीकी सुविधाओं की समस्या के कारण ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में व्यावहारिक दिक्कतें भी सामने आती हैं। संघ की प्रमुख मांगों में ई-एचआरएमएस प्रणाली में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता समाप्त करना, कृषि विस्तार अधिकारियों को 2800 रुपए ग्रेड-पे का लाभ देना, अतिरिक्त केंद्र का प्रभार संभालने वाले अधिकारियों का भत्ता 500 रुपए से बढ़ाकर 5000 रुपए प्रतिमाह करना तथा पटवारियों की तर्ज पर 4000 रुपए एग्री स्टैक भत्ता देना शामिल है। संघ का कहना है कि अतिरिक्त केंद्र और दर्जनों गांवों की जिम्मेदारी के मुकाबले वर्तमान 500 रुपए का भत्ता बेहद कम है। बैतूल जिला इकाई अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सूर्यवंशी, सचिव वेदराम यादव और प्रांतीय प्रतिनिधि सुरेश इरपाचे के नेतृत्व में जिला स्तर पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास कार्यालय के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से धरना दिया जाएगा।

गर्भवती माताओं ने लिया गर्भसंस्कार का लाभ

बैतूल। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 25 अगस्त को बैतूल जिले के सभी 10 विकासखंडों के 13 स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भसंस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयुष विभाग के चिकित्सकों ने 340 गर्भवती माताओं को स्वस्थ शिशु एवं सुखद प्रसव के लिए आयुर्वेद में वर्णित गर्भिणी परिचर्या की जानकारी दी। बैतूल कलेक्टर के निर्देश और जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर की पहल पर हुए कार्यक्रमों में गर्भवती महिलाओं को उचित आहार-विहार, दिनचर्या, योग, सकारात्मक सोच और प्रसव पूर्व आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया गया। गर्भावस्था के प्रत्येक चरण में मां और गर्भस्थ शिशु के

स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आयुर्वेद के सिद्धांतों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनीता महादुले एवं डॉ. लक्ष्मी किशनानी ने बताया कि जिले के सभी 10 ब्लॉकों में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 340 गर्भवती माताओं ने सहभागिता कर लाभ लिया। इसका उद्देश्य गर्भवती माताओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए सुरक्षित एवं सुखद प्रसव तथा स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन देना है। आयुष चिकित्सकों ने गर्भवती माताओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, चिकित्सकीय सलाह का पालन करने और किसी भी समस्या या जटिलता के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी।